तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	~~की जाती है कि आगामी तारीख पेशी को अभिभाषक: पेश कर अन्यथा जवाब बंद किया जाकर लेकिन बहस पुनः आवेदन पत्रावली~~	
9/	प्रति जवाब उक्त प्रार्थना-पत्र दिनांक 27/6/22 को पेश हो। [signature]	
27-6-22	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता उभय-पक्ष उपस्थित आये। प्रार्थना-पत्र O22R3 व धारा-5 परि० अधि० पर जवाबदेह किया जाकर लौटे ही बहस सुनी गयी। पत्रावली वास्ते आदेश उक्त प्रार्थना-पत्र दिनांक 04/7/22 को पेश हो। [signature]	
04/7/22	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता उभय पक्ष उपस्थित आये। प्रार्थना-पत्र O22R3, धारा-5, परिसीमा अधि० का अवलोकन व अध्ययन किया तथा मनन विद्वान अधिवक्ता उभय पक्ष की बहस पर किया।	
	प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र दि. 28/10/21 से स्पष्ट है कि उ. 3 जगदीश लाल की मृत्यु 04/9/21 को हुई थी जिसका मृत्यु प्रमाण	

Signature Not Verified
Digitally signed by Prakash Chandra Regar
Date: 2022.12.27 14:31:56 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
04/[illegible]/22	पत्रावली पेश है। उक्तानुसार सूचना प्राप्त हो जाने के बावजूद अभि० वादी द्वारा 24/3/22 को लगभग 5 माह बाद म्याद गुजरने पर प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत आदेश 22 नियम 03 सी.पी.सी. तथा प्रार्थना-पत्र धारा-5 परिसीमा अधिनियम प्रस्तुत किया। अभि० प्रतिवादी द्वारा जवाब पेश न करने पर बंद किया गया व बहस सुनी गयी। प्रार्थना O22R3 के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रति० 3 की मृत्यु के उपरान्त वारिसान को रिकॉर्ड पर लिया जावे परन्तु कानूनन प्रतिवादी/प्रतिवादियों की मृत्यु के बाद उनके विधिक वारिसान को रिकॉर्ड पर लेने हेतु प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत आदेश 22 नियम 4 पेश करना चाहिये परन्तु न्यायालय को अंधेरे में रखा गया। साथ ही धारा-5 परि. अ. के प्रार्थना-पत्र में देरी माफी का उचित कारण भी अंकित नहीं है। अतः उक्तानुसार प्रार्थना-पत्रों में Ambiguity होने तथा म्याद बाहर होने से परिसीमा अधिनियम की धारा 120 का प्रावधान [illegible] प्रार्थना-पत्र अस्वीकार [illegible] पर खारिज [illegible] पत्रावली [illegible] से [illegible] की जाकर दाखिल दफ्तर हो। निर्णय लिखा जाकर खुले इजलास सुनाया गया।	उपखण्ड अधि[illegible] बांसवाड़ा [illegible]

Signature Not Verified
Digitally signed by Prakash Chandra Regar
Date: 2022.12.27 14:31:56 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner